प्रेसनोट

पिथौरागढ़ 12.10.13(सूवि)

गांव को एक इकाई मानकर अंतिम व्यक्ति तक सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधायें मुहय्या कराई जाएं तो गांवों से हो रहे पलायन को रोका जा सकता है, इसमें सरकार को प्रभावी कदम उठाने होंगे। उक्त बात आज जनपद के भ्रमण पर आये प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष गोविन्द सिंह कुंजवाल ने कही। उन्होंने कहा कि गांवों के समुचित विकास के लिए सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं, लघु उद्योगों की स्थापना, कुटीर उद्योगों को स्थापित करके ही पलायन पर रोक लगाई जा सकती है और इसके लिए सरकार को ठोस नीति बनाने के साथ ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि विकास की समूची सुविधाएं गांवों में उपलब्ध कराई जाएं और विकास की नीति गांवों के घरातल से प्रारम्भ की जाये तो पलायन पर समुचित अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांव के बेरोजगारों के हाथों को काम मिलेगा तो पलायन पर अंकुश लगेगा। उन्होंने पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी का सहायोग लेकर एक ठोस नीति बनाने की बात कही।

विधानसभा अध्यक्ष ने आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सड़क व पैदल मार्गो की बहाली अभी तक पूर्णरूप से सही न होने पर चिंता व्यक्त की और शासन व प्रशासन से इसमें तेजी लाने और ग्रामीण लोगों को समुचित सहायता प्रदान करने को कहा, उन्होंने कहा कि मार्गो की बहाली हेतु धनराशि की कमी आड़े नहीं आयेगी। उन्होंने कहा की धनराशि का उपयोग सही स्थान पर करने के साथ उससे आपदा प्रभावितों को समुचित सहायता मिलनी चाहिए, इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि विधिवत कारण ढूढकर, ठोस नीति बनाकर ही गांवों का विकास किया जा सकता है और इससे पलायन पर भी अंकुश लग सकता है, इसके लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गैरसैण पर भी सरकार को व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और जरूरी कार्यो हेतु अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकारी नुमाइंदो के साथ जनप्रतिनिधियों को अपने आचरण को पारदर्शी बनाये रखना चाहिए और अपनी विश्वनीयता बनाये रखने चाहिए।

इस अवसर पर समाज कल्याण अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष व विधायक नारायण राम आर्य, क्षेत्रीय विधायक मयूख महर, अध्यक्ष नगर पालिका जगत सिंह खाती, खीम राज जोशी आदि उपस्थित थे।